अंक 10 कुल पृष्ठ, 8 Casual attitude leads to casuality- Archit मूल्य मात्र 10 रुपए मास अक्टूबर 2014

इस अंक में पढ़ें

- जब पिता का बट्टे खाते (Bad debt) का रुपया बेटे ने कल्कि जी के दस प्रतिशत के शेयर से निकाला—कोलकाता मेल 4
- कल्कि जी के उपचारों से सी.ए. का दूसरा ग्रुप क्लियर हुआ— अर्पित गोयल (महावीर नगर) 9873745909 3
- जब स्वप्नानुभव में श्री कल्कि ने (क) गाय का घी, अन्न का भोग एवं घर के बाहर सुरक्षा कवच लगाना बताया (ख) मंदिर के ऊपर अष्टधातु या सोने की छड़ लगाकर अपनी परेशानियों से निकलने का देवी देवताओं द्वारा हल बताया—रोहित गुप्त 9899499848 5
- कराना (शामली) में जब श्री विनोद गुप्त द्वारा अनुभव को हल्का लेने पर जान गंवाई—श्री वरूण गुप्त, एडवोकेट 9368616464 3
- कलियुग में पढ़ी लिखी माताओं का खुश रहने का सरल तरीका 2
- भगवान श्री कल्कि के मानने वालों की डायरेक्टरी 7
- भले ही हम बीज की तरह गल जाएं लेकिन हमारे बच्चे सैद्धांतिक रूप से चलते हुए चंद्रगुप्त की तरह चौतरफा प्रगति करते हुए श्री कल्कि को प्रगट करके रहेंगे 7

श्री हनुमान जी-ठाकुर जी का भारत

सम्भल में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ ने सम्भलवासिनी सुप्रीम कोर्ट की वकील ने हल्लू सराय, चामुंडा मंदिर सम्भल ही की तरह ऑडियो-वीडियो द्वारा नए विचारों की तकनीक की तर्ज पर

श्री कल्कि बाल वाटिका का
अब रोहिणी सैक्टर 7 में सुश्री निशी गर्ग
5 अक्टूबर 2014 को शुभारंभ कर रही हैं

एल सी डी पर प्रेरणादायक कहानियाँ देखते हुए बाल वाटिका के बच्चे संस्कार रोपण कार्यशाला चामुंडा मंदिर सम्भल

आगामी अंकों में पढ़ें

- के 11 शारीरिक लाभ—अंकुर गोयल
- 800 साल बाद फिर खुली नालंदा यूनिवर्सिटी-संगीता गर्ग
- कल्कि जी के प्रोजेक्ट चाहिए—जैसे गिलहरी ने चुना अब आप भी चुनें
- यही है जिंदगी चलचित्र में जैसे भगवान श्री कृष्ण माली के द्वारा संजीव कुमार से रुपया वसूला पढ़ें वैसे ही भगवान श्री कल्कि के मानने वालों से कैसे रुपया वसूला
- यह संसार भगवान ने अपनी योगमाया से बनाया है जैसे आजका सुसज्जित शादी का मण्डप—अगले दिन मैदान—मामाजी
- अरे इतना कल्कि के साहित्य का जो काम किया क्या कम है, जो अब भी चाहत पूरी न होगी ?- कल्कि जी ने कहा जितना किया था उसका फल दे तो दिया !
- जब श्री कल्कि ने सैलरी में से शुभ का 1% नहीं 5 % शेयर मांगा- सुश्री अलका गोयल
- मांसाहारी को भी भक्ति सिखा दी—जागृत अनुभव-नीतू गुप्ता
- जिसने त्रेता में लंका दान दी उसने ही 49 प्रकार की हवाओं (शक्तियों) से सोने की लंका क्षणों में फूंक दी
- अपने पर जुर्माना : एक मजबूत हथियार
- कल्कि जी सा कृपालु कौन जो पहले अनुभवों में बता तो देते हैं
- हंसराज कॉलेज में फिर शुरु हुई यज्ञशाला, विद्यार्थी सीखेंगे वैदिक संस्कृति—संगीता गर्ग
- रुपया अन्य देवी-देवताओं से मांगते हो सीधा महालक्ष्मी से मांगो : संगीता गर्ग
- गार्ड—सर यह तो पुलिस केस बनता है (स्वप्नानुभव)

कलियुग में पढ़ी लिखी माताओं का खुश रहने का सरल तरीका

—सुश्री नीतू भारगव (9990757630)

मैं अपनी बेटी अंशी को लेकर काफी भावुक (सेंसेटीव) थी। इस स्वप्नानुभव से पहले मैं अपने परिवार के साथ गंगासागर व जगन्नाथ जी की तीर्थ यात्रा करके आई थी।

वहां से आने के बाद अपनी बेटी की परेशानी को लेकर मैं बार बार अपने पति से कहा करती थी कि हम इतनी गर्मी में क्यों आए? अंशी के पैरों में काफी दर्द हो गया है।

भावुक ममतामयी माँ

स्वप्नानुभव : उसी रात मुझे स्वप्नानुभव आया कि मेरी पड़ोसन जिसका लड़का मेरी बेटी के बराबर है वह मुझसे कह रही हैं कि अपने बच्चों को गुरूकुल भेज देते हैं। इस पर मैं कह रही हूँ कि मैं अपनी बेटी को तो इतनी दूर नहीं भेजूंगी। मेरे पति मुझे जबरदस्ती उन लोगों के साथ बस में बैठा देते हैं और कहते हैं कि वहां जाकर मैं देखूं कि वहाँ सब कुछ कैसा है?

वहाँ पहुँचकर मुझे गुरुकुल में कुछ (संन्यासी वस्त्रों) में लोग काम करते दिख रहे हैं। मैं अपने मन में सोच रही हूँ कितने गलत हैं ये लोग बच्चों को तम्बू में पढ़ा रहे हैं। अरे देखो तो पैसा कमाने के लिए इनसे काम भी करवा रहे हैं। मैं अपनी बेटी को तो यहाँ कभी न भेजूँ।

लेकिन हमारी बस वहीं रूकती है जैसा कि मैं दूर से देख रही थी। मैं अपने पति से कहती हूँ कि मैं अपनी बेटी का दाखिला यहाँ बिल्कुल नहीं कराऊंगी। मेरे पति ने कहा अरे अंदर तो चलो। अन्दर घुसे तो सन्यासी अध्यापकों ने बच्चों के एक कार्यक्रम का आयोजन किया हुआ था। बच्चों ने एक बहुत सुंदर नाटक प्रस्तुत किया। नाटक खत्म होने के बाद मेरी सासु माँ ने कहा कि अंशी का दाखिला यहाँ करवा देते हैं। इतने में मेरे पति आ जाते हैं और कहते हैं कि नहीं अम्मा (माँ) हम यहाँ अंशी का दाखिला नहीं करवाएंगे। मैं खुश हो जाती हूं। बाकी सब अभिभावक (माता-पिता) अपने बच्चों का दाखिला वहाँ करवा देते हैं। उसके बाद खाने का इंतजाम है। बहुत ही अच्छी व्यवस्था है। मैं सोच रही हूं हमने दाखिला तो करवाया नहीं हम यहाँ खाना कैसे खाएं? फिर सोचती हूँ अरे छोड़ो न यहाँ कुछ दान कर देंगे और यह सोच कर मैं वहाँ खाना खा लेती हूँ।

अर्थ : यहाँ दृष्टा की विचारधारा पूर्णरूपेण गलत है। वह अपनी बेटी को लेकर बहुत ज्यादा भावुक (सेंसेटीव) हैं। यहाँ गुरुकुल का अर्थ वह अपने हिसाब से लगा रही हैं। जबकि हमारी हिन्दू संस्कृति में गुरुकुल में कठिन परिश्रम के द्वारा बच्चों में अच्छे संस्कार डाले जाते थे ताकि वह विषम से विषम परिस्थितियों में भी वे आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठाते थे। हंसते-हंसते संघर्षों का सामना करते हैं। अनुभव में दृष्टा अपने अंधे प्यार (भावुकता) में अपनी बेटी को गुरुकुल में डालने के लिए मना कर रही हैं। अत: उन्हें अपनी सोच को बदलना होगा। उसे अन्दर (आत्मा) से प्यार ऊपर (दिखावे में) अच्छे संस्कार देने होंगे। उसे कठिन परिश्रम करना सिखाना होगा। उसे छुई मुई की पंखुड़ी नहीं गेंदे का फूल बनाना होगा ताकि वह दैवी समाज का एक अभिन्न अंग बन कर सदा वीरांगनाओं की तरह सबको साथ लेकर रानी झांसी अन्य देवियों की तरह आगे बढ़े।

उपचार: 1. एक रुपया 2 बताशे में स्वयं और अपनी बेटी का हाथ लगवाएं और संकल्प लेकर हनुमान जी को गुरु बनाएं जो सर्वकाल आपकी रक्षा करेंगे। आपकी जानकारी के लिए पढ़ें पुस्तक श्री हनुमान जी हमारे गुरु कैसे?

2. एक रुपया दो बताशे या पेड़ा/बर्फी गंगा महारानी (ज्ञान की देवी) व सरस्वती महारानी (विद्या की देवी) का संकल्प करें।

प्रार्थना: स्वप्नानुभव एक सम्पदा के पृष्ठ 205 से 219 तक दी गई प्रार्थनाओं में से करें और साथ में कहें कि **मुझे और मेरी बेटी को मेरे पति-सासु माँ जैसा संस्कारी बनाएं** जो लोक-परलोक दोनों में गौरवशाली जीवन यापन करें।

खेल खेल में संस्कार रोपण कार्यशाला

इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर हो ना

-सुश्री रमणी अग्रवाल (9212216251)

दिनांक : 26 अक्टूबर 2014, रविवार

श्री कल्कि सहस्त्रनाम हवन : प्रात: 10 बजे

महामंत्र मुकाबला एवं कार्यशाला 11 बजे से 2 बजे तक

सुश्री रमणी अग्रवाल स्वप्नानुभव में दिखाए अनुसार संचालिकाओं एवं बालक बालिकाओं को चाणक्य की भाषा में चलना ही जीवन है के रहस्य बताएंगी-दिखाएंगी और सिखाएंगी

*** भगवान से शक्तियों का मांगना और उनका आभार प्रगट करना कि आप हमें स्वप्नानुभव द्वारा सहारा दे रहे हैं देते रहें अपनी कृपा बना रहे हैं बनाते रहें। स्थान : 1903, पहली मंजिल चांदनी चौक, दिल्ली-6**

संचालिका: रमणी अग्रवाल-9212216251, शलभ गोयल-9810066506

अनुभव को हल्का लेने पर जान गंवाई

—श्री वरूण गुप्त, एडवोकेट 9368616464 लिपिका-सुश्री संगीता गर्ग

मुझे स्वप्नानुभव हुआ कि हमारे परिवार में किसी की मृत्यु होगी जिसकी वजह से किरयाने की हमारी दुकान बंद रहेगी। मैंने यह बात अपने स्वर्गीय भाई विनोद गुप्त को कई बार बताई। उससे यह भी कहा कि हमारे चाचाजी काफी बीमार हैं-चाहे तो उनकी मृत्यु होगी या किसी और रिश्तेदार की लेकिन मृत्यु निश्चित है। लेकिन हर बार विनोद भैया हंसकर टाल जाते थे कि ऐसा कुछ भी नहीं होगा। *(यह वही विनोद गुप्त हैं जिनके ग्रुप ने कराना में कल्कि जी की *मूर्ति लगवाई थी। मामाजी ने कराने में कई बार सत्संग में बहुत अच्छी तरह समझाया था कि जैसे रामचंद्र जी की रामलीला, कृष्ण जी की माखन लीला उसी तरह कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला है। आप स्वप्नानुभव एक सम्पदा के शुरू के 4 पेज अवश्य पढ़ें आपको परेशानियों से निकलने के रास्ते स्वयं मिलकर वैभवता मिलेगी।)* लेकिन भाई को जब-जब स्वप्नानुभव सुनाया तो उसको उन्होंने एक आम स्वप्न समझा।

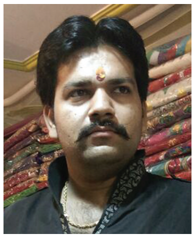

श्री वरूण गुप्त
विनोद जी के छोटे भाई

स्वर्गीय श्री विनोद गुप्त
जिन्होंने स्वप्न अनुभव
को हल्का करके लिया

साथियों 18 अगस्त 2014 को बाजार में भीड़ और दुकान में ग्राहक होते हुए भी तीन लोग श्री विनोद जी की दुकान में घुसे और उनमें से एक आदमी ने विनोद गुप्त को तीन गोलियाँ मारी और श्री विनोद गुप्त वहीं ढेर हो गए।

21 अगस्त को मामाजी जब हमारे यहाँ संवेदना प्रकट करने आए तब मैंने उन्हें सारा प्रकरण बताया। मेरे भाई के अलावा दो और लोगों को भी उसी दिन गोली मारी गई है।

इसी संदर्भ में मैंने मामाजी को बताया कि मैं कल्कि चालीसा का नियमित पाठ करता हूँ और मुझे बहुत अनुभव आते हैं। मामाजी ने मुझे उन सभी अनुभवों को स्वप्न अनुभव किताब में देखकर उपचार करने को कहा और उन्हें लिख कर देने के लिए कहा, जिससे वह उनके सही अर्थ बता सकें। मैंने मामाजी को यह भी बताया कि कल्कि चालीसा मैंने अपने एक ज्वैलर मित्र को भी दी है। वह जब भी मुझे मिलता है तो कहता है कि उसे इसे पढ़ने से मुझे बहुत लाभ मिलता है।

**मूर्ति स्थापना के बाद उन्होंने यही किरयाने की दुकान खरीद ली थी।*

Subscribe /merekalki watch kalki videos subscribe, like and share

कल्कि जी के उपचारों से सी.ए. का दूसरा ग्रुप क्लियर हुआ

— कुमार अर्पित गोयल (9873745909)

मैं सी.ए. कर रहा हूँ। मैंने जून 2014 में सैंकंड ग्रुप की परीक्षा दी। परीक्षा देने के बाद से ही मुझे अच्छे अनुभव नहीं आ रहे थे। जैसे मेरा दोस्त अच्छे नंबरों से पास हो गया है और वह मुझे फोन करके बड़ा खुश होकर बता रहा है कि मैं फेल हो गया हूँ। और भी ऐसे कई अनुभव जिससे मेरा मनोबल टूट रहा था। मैं सरस्वती जी और योगमाया जी के उपचार करता था। लेकिन ईमानदारी से कहता हूँ कि मेरे उपचार नियम से नहीं थे।

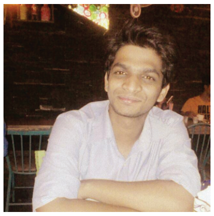

कुमार अर्पित गोयल

तब मैंने मेघा बुआ से फोन पर बात की। उन्होंने मुझे 20 रुपए बगुलामुखी मां के निकालने को कहे और उपचार नियमित रूप से करने को कहा। इसके साथ ही मैंने कल्कि भगवान के महामंत्र की 101 माला का संकल्प लिया एवं कल्कि भगवान के प्राकट्य व प्रचार हेतु उनके कीर्तनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का प्रण किया। इस तरह माला, कीर्तन और नियमित उपचार किए।

बस फिर क्या था मेरी सी.ए. की परीक्षा का नतीजा आया और श्री कल्कि जी, सरस्वती जी, योगमाया जी एवं बगलामुखी माँ की कृपा से कुमार अंकित गड़ौदिया व कुमार श्रेय गुप्त की तरह मैं पास हो गया। मेरा दोस्त जो अनुभव में फेल होने की खबर सुनता था जो वास्तव में मुझ से होशियार भी है वो रह गया।

मैं तो अपने छोटे और बड़े दोस्तों को यही कहना चाहूँगा कि यदि आप कल्कि जी के स्वप्नानुभवों को गंभीरता से समझ कर उपचार करते रहेंगे और कल्कि भगवान के प्राकट्य व प्रचार के कार्यों से जुड़े रहेंगे तो कल्कि जी आपका हाथ जरूर पकड़ेंगे। क्योंकि प्रगट होने के लिये उन्हें प्रचार चाहिए-जिसके लिये मन से काम करने वाले भक्त चाहिए और भक्तों को चौमुखा उत्थान चाहिए। ज्यादा क्या कहूँ श्री कल्कि जी से आप मेरी तरह हारी हुई बाजी भी जीत सकते हैं। जैसा मेरे साथ हुआ है।

—जय श्री कल्कि

संभल में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ एवम् श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशाला अक्टूबर मास त्योहारों का (दीपावली) मास की वजह से 2 नवम्बर एवं 30 नवम्बर 2014 को माँ चामुंडा मंदिर हल्लू सराय में

संभल सहस्त्रनाम हवन में जाने हेतु नोएडा तथा पूर्वी दिल्ली के लिए ए.सी. बस की बुकिंग के लिए उत्सव से एक सप्ताह पहले संपर्क करें सुश्री मुक्ता शर्मा (एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट)—9811134378 बन पड़े तो सीट बुकिंग के रुपए देने का कष्ट करें बस वाले को एडवांस देना पड़ता है। बस जाते और आते समय निश्चित समय पर चलेगी।

अपनों के लिये उपचार एक सीमा तक ही करें

ब्रह्माण्ड अंधा है/कल्कि जी अनुभव (चार प्रकार के) देने के बाद कलियुग के आगे मजबूर हैं भाग-3

–सुश्री रश्मि गुप्त मो॰ 9911108050

(नवम्बर 2013 से मैं अपनी बहिन की ओर से काली मां के धूने का गोला, यमुना जी के द्वारा काली मां का गोला और एक गोला कल्कि जी के निमित्त अर्पण कर रही थी।)

स्वप्नानुभवः 20 मई को काली माँ से प्रार्थना करते हुए मुझे काली माँ की योगनियाँ परेड (मार्च) करती दिखाई पड़ीं परन्तु काली मां ने अपनी तलवार से उनको एक तरफ सरका दिया।

मैं दो दिन बाद अपनी बहिन की ओर से काली माँ की प्रार्थना कर रही थी तभी काली माँ क्रोध में दिखीं। उनके मुँह से अग्नि निकल रही थी।

अर्थः अनुभव का अर्थ पूछने पर अनुभव पैनल ने बताया कि काली माँ कुद्ध हैं क्योंकि मेरी बहिन समस्याओं से निकलने के उपरान्त भी आलस्य-प्रमाद में टालमटोल करके उपचार स्वयं नहीं करना चाह रही है। माँ उसके साथ हैं आलस्य को छोड़े सफलता उसकी राह जोह रही है। उसने जो सीखा है वह समाज को और अपनों को बाँटे। मतलब हम किसी के भी उपचार एक नियत समय तक ही करें जब तक कि वह भक्त मजबूरी में है और संबंधित मुश्किल से निकल न आए। मुझे संभल कर रहने के लिए भी कहा गया। क्योंकि इसका असर मेरे व मेरे घर परिवार पर भी आयेगा। विभिन्न उपचारों के साथ ही मुझे कल्कि सहस्त्रनाम में से कल्कि जी के मंत्र (ॐ कल्कि भक्त क्षमा कराय नमः) की 11 मालाएं करनी बताईं। *अनुभव दृष्टा पर पहले जाता है अतः नीचे लेख में पढ़ें।*

जब कल्कि भगवान ने मुझे और मेरे पति को मौत के मुँह से बचाया

(14 जून शाम को मैंने पहले संकल्प की आखिरी माला पूरी की और निम्न अनुभव दिखा।)

स्वप्नानुभवः 14 जून को मुझे माला करते हुए शाम 8:30 – 9:30 बजे के करीब अनुभव में ओमो चाचाजी (मामाजी) का मृत शरीर अर्थी पर रखा हुआ दिखा और उनके नाक और कानों में रुई लगी हुई थी। बड़ी झुरझरी-कम्पन सी महसूस हुई। फिर एक बड़ी सी हवेली के चौक में मुझे मेरे दिवंगत पापा (स्वर्गीय सत्यनारायण जी) कुर्सी पर बैठे हुए दिखे। कुर्सियाँ पंक्तियों में रखी थीं। पिताजी ने सफेद कुरते पजामे पर काली जैकेट (मामाजी की तरह) पहन रखी थी और दोनों हाथों की सहायता से खड़े होकर बाकी लोगों के साथ शव यात्रा में शामिल हो गए। तत्पश्चात् एक मन्दिर शवगृह में दिखा जहाँ कई भगवानों की मूर्तियाँ थीं। विशेषकर ठाकुर जी साफ दिखे। इतने में एक अर्थी सरकती हुई आई जिसमें चाचाजी थे और चाचाजी (मामाजी) अर्थी के रुकते ही सीधे बैठ गए। सिर पर शंकराचार्य जैसा कवर आ गया।

अर्थः इस अनुभव का चाचाजी (मामाजी) से मतलब पूछा जिसमें उन्होंने बताया कि अनुभव पहले दृष्टा पर जाता है। मैंने 16 जून को यमना जी के वस्त्र, सीधा, पानी, गोला, धूप वाला (संकल्प व उपचार) अपने पूरे परिवार के साथ किया।

परिणामः 16 जून को ही शाम 7 बजे मेरे पति ने फैक्ट्री से आकर कहा कि जरूरी काम से मुझे गुड़गाँव जाना है। तुम मेरे साथ में चलो तुम्हारी भी तफरी (सुहावनी शाम) हो जाएगी। हम अपनी इनोवा गाड़ी में गए। ड्राईवर गाड़ी चला रहा था और हम बीच की सीट पर बैठे थे। वापसी में हवाई अड्डे की सड़क पर हमारी गाड़ी को जोर से झटका लगा-हमें लगा कि गाड़ी गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) से टकरा गई होगी। पलट कर देखा तो एक ट्रक हमारी गाड़ी से जोर से टकरा गया था। ट्रक जिधर मैं बैठी थी वहीं जोर के टकराया था। पीछे का शीशा चकनाचूर हो गया था पर भगवान कल्कि और यमुना जी के उपचार ने हम (पति-पत्नी) को बचा लिया। हमें एक भी खरोंच या अंदरूनी चोट नहीं आई। प्रभु कल्कि एवम् उनकी अद्भुत अनुभव लीला को मैं शत-शत प्रणाम और धन्यवाद करती हूँ।

कल्कि जी के दस प्रतिशत शेयर से डूबा हुआ रुपया मिला—कोलकाता मेल

मैं एक कल्कि भक्त जिसके अनेक बिजनेस पेमेंट अटके पड़े थे। मेरे पिता ने उन्हें बैड डेब्ट समझ कर मुझसे आगे बढ़ने को कहा। उस रुपए के आने का कोई संयोग नहीं था। पर मैंने मन में सोचा कि यदि रुपया आता है तो श्री कल्कि का 10 प्रतिशत अलग कर दूँगा। और कमाल है रुपया आ गया। मैंने श्री कल्कि का दस प्रतिशत ईमानदारी से निकाल दिया। ऐसे हैं मेरे कल्कि जी असंभव को संभव करने वाले।

—एक कल्कि भक्त

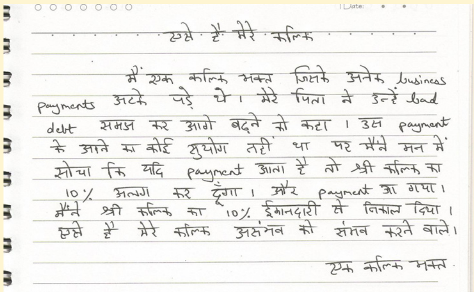

ऐसे हैं मेरे कल्कि

मैं एक कल्कि भक्त जिसके अनेक business payments अटके पड़े थे। मेरे पिता ने उन्हें bad debt समझ कर आगे बढ़ने को कहा। उस payment के आने का कोई सुयोग नहीं था पर मैंने मन में सोचा कि यदि payment आता है तो श्री कल्कि का 10% अलग कर दूँगा। और payment आ गया। मैंने श्री कल्कि का 10% ईमानदारी से निकाल दिया। ऐसे हैं मेरे कल्कि असंभव को संभव करने वाले।

एक कल्कि भक्त

यह मैसेज हमें कोलकाता से ई मेल के द्वारा स्नेहा गनेरीवाला (9831343536) ने 13 अगस्त 2014 को भेजा था। इसके जवाब में हमने उन्हें बताया कि वह शीघ्र अति शीघ्र यह दस प्रतिशत संकल्प का रुपया कोलकाता श्री कल्कि बाल वाटिका की प्रभारी सुश्री प्रतिभा अग्रवाल (मो॰ 09831193821) के पास भगवान श्री कल्कि के विभिन्न प्रोजेक्टों में लगने के लिए बन पड़े/ चाहें तो भेज दें।

जब कल्कि जी ने गाय का घी-अन्न का भोग व सुरक्षा कवच के लिये बताया

—श्री रोहित गुप्त मो०09899499848

रोहित गुप्त

स्वप्नानुभव 18 मई 2014— श्री कल्कि विष्णु मन्दिर कुण्डेवालान, दिल्ली से मैं दैनिक पूजा-अर्चना के पश्चात् मन्दिर के बाहर आ रहा हूँ। तभी मेरे सीधे हाथ की तरफ वही सौम्य रूपधारी श्री कल्कि नारायण आकर रुके और बोले कैसे हो? मैंने मुस्करा कर देखा तो वही तेजोमयी चेहरा है। तुरन्त पहचान कर मैंने कहा कि ओह जी आप! मैं तो ठीक हूँ आप बताएं जी। इस पर वह बोले कि मैं जरा जल्दी में हूँ कहीं जल्दी पहुँचना है, परन्तु आपके कल्कि समाज के लिये एक बात जरूर बता दूं कि अब कलियुग के लक्ष्य (निशाने पर) आप सब कल्कि वाले हो, इसलिये इन बातों का ध्यान रखें, (क्योंकि कलियुग का लक्ष्य अब और सब (धनवानों) पर नहीं अब सिर्फ कल्कि वाले उसके निशाने पर हैं)

1.प्रतिदिन केवल गाय का ही घी रसोई एवम् पूजा में उपयोग करें।

2. घर के मन्दिर में एक समय अन्न का भोग अवश्य लगाओ। *

3. घर के बाहर श्री कल्कि कवच अवश्य लगाएं। A 4 साईज का यहाँ प्रदर्शित टाईल पर दिखाते हुए कहा—ऐसा कल्कि कवच नेम प्लेट की तरह घर पर के बाहर लगाओ।

4. पूजा फल अर्पण करने के पश्चात् क्षमा मांगते समय कहें— हे प्रभु मेरे से किसी भी प्रकार की दुष्टता व बुरे विचार आये हों उनको क्षमा कर दें। अर्थ-उपचार-प्रार्थना सब इसी में स्पष्ट अंकित है।

*** अर्थात भोजन की थाली का भोग लगाकर थोड़ा-थोड़ा प्रत्येक व्यन्जन अन्य व्यन्जनों में मिला सकते हैं।**

घर के बाहर सुरक्षा कवच

प्रतिदिन भोजन की पहली थाली

गाय का घी

जब तक जो मेरे साहित्य-प्रचार-प्रसार का कार्य करेंगे मैं उन्हें स्वास्थ्य, धन, सम्मान, सुख-सुविधाएं दूंगा

स्वप्नानुभव: 21-12 2013 को मुझे ब्रह्म मुहूर्त में परेशानियों से निकलने व धन-वैभवता के लिये कूण्डेवालान, दिल्ली में स्थित भगवान श्री कल्कि का मंदिर दिखाई दे रहा है। मैं पूजा करके बाहर की तरफ आया तभी वह श्री कल्कि नारायण प्रसन्नचित्त मुद्रा में आए। उनका चेहरा जगमगा रहा है। वह मुझ से बोले आ गए दर्शन करके। मैंने कहा- हाँ जी और आप कैसे हैं जी? इसपर वह बोले कि सामने की तरफ देखो मंदिर के अंदर क्या दिख रहा है? मैंने कहा कि सभी देवी देवताओं के दर्शन हो रहे हैं। इस पर कल्कि जी बोले मित्र अब जरा सा ऊपर की ओर देखो और बताओ कि क्या दिखाई दे रहा है? मैंने ध्यान पूर्वक ऊपर की ओर देखा और कहा कि मुझे गुम्बद दिखाई दे रहा है। इस पर वह तपाक से बोले कि इसका मतलब जानते हो यह क्या होता है? मैंने कहा कि नहीं। लेकिन मंदिरों में इस बनावट का कार्य होता है। इसपर वह बोले कि यह शक्ति उतप्रेरक (भक्त को शक्ति दिलवाने वाला यन्त्र) होता है। इससे भक्त की पूजा याचना देवलोक तक जाती है और वहाँ से शक्तियों को उसके मनवांछित कार्य हेतू शक्तियों की मदद प्रदान की जाती है। इसपर मैंने कहा कि कृप्या साफ साफ बता दीजिए आप क्या कहना चाहते हैं। मैं समझ नहीं पा रहा हूं? इसपर वह बोले कि **कलियुग का समय विकट और विकराल रूप धारण करता जा रहा है। श्री कल्कि भक्तों के सैनिकों की शक्ति क्षीण होती जा रही है।** अब इसका एक मात्र उपाय यह है कि तुम सभी कल्कि समाज अपने अपने पूजा के स्थानों पर इस गुम्बदीय आकृति का निर्माण करके (चाहे छोटे मार्बल/गत्ता/थर्माकोल) उस पर सामने चित्र में दर्शाई अष्ट धातु या स्वर्ण से बनी लगभग 7 इंच लम्बी शूल (एरियल सा) लगाओ ताकि मेरे (श्री कल्कि) प्रचार प्रसार कार्य आगे बढ़ने पर कलियुगी शक्तियाँ अपने प्रहार से भक्तों की जो प्रगति रोकती हैं—बाधा डालती हैं जिससे कई सैनिक श्री कल्कि भक्त या तो रास्ता भटक जाते हैं या कई सैनिक हताहत हो जाते हैं। ऐसी गुम्बदीय आकारों पर लगी अष्ट धातु की शूल (एरियल) मेरी दैवीय शक्तियों द्वारा उन्हें सुरक्षा एवं शक्तियाँ प्रदान करती रहेंगी। यहाँ तक की समय समय पर तुम्हें मेरे साहित्य-प्रचार प्रसार कार्य में आने वाली विकट परेशानियों से भी बचाएंगी। जब तक जो मेरे साहित्य प्रचार प्रसार का कार्य करेंगे मैं उन्हें धन, सम्मान, सुख, स्वास्थ्य, सुविधाएं निरंतर दूँगा। इसपर मैंने कहा कि यह कैसे कहाँ निर्माण करवा सकते हैं। तो वह बोले कि त्रिभुजाकार गुम्बदीय

गुम्मबद अष्टधातु छड़ सहित

आकृति का निर्माण करवाकर इस प्रकार चित्र में दिखाई गुम्बद पर लगी अष्टधातु छड़ अपने पूजा स्थलों पर और सम्भव तो अपने मकानों की छत्त के मध्य बिंदु पर भी स्थापित करो। मेरी शक्तियाँ मदद के वास्ते भेजी जाएंगी। यथा सम्भव हो सके यह कार्य शीघ्र ही कर लें। समय बर्बाद न करें। इतना कह कर वह आगे की ओर चलने लगे कि मैंने पुकारा कि मित्र जरा सुनिये तो । फिर मैंने कहा जल्दी में हैं क्या? आज मेरे साथ-साथ नाश्ता नहीं करेंगे? इसपर वह बोले कि प्रचार प्रसार कार्य जो कल्कि भक्त कर रहे हैं उनका भार हल्का करने के वास्ते मैं प्रतिदिन उन मंदिरों में जा रहा हूँ जहाँ अधिक से अधिक भक्त आते हैं। मैं वहाँ पर (श्री कल्कि का साहित्य दिखाते हुए) यह वितरित करने जा रहा हूँ। उससे ज्यादा से ज्यादा भक्तों को मेरे (श्री कल्कि के) प्रचार प्रसार वास्ते जागृत करने की प्रेरणा मिलेगी। इसलिये आप (मैं) नाश्ता ले लेवें (ले लूँ)। श्री कल्कि जी फिर बोले कि हो सके तो आप (मैं) भी साहित्य वितरण (स्टॉल लगाना, सवारी आदि) के लिये अपने कल्कि समाज से सहायता ले लेवें (लूँ) और लग जाए (लग जाऊँ) भक्ति से परिपूर्ण होकर (दिखावा-टालमटोल-आलस्य घुमाना हटाकर) मेरे (श्री कल्कि जी के प्रचार प्रसार के) कार्यों में। इतना कह कर कल्कि जी आगे की ओर बढ़ते चले गये।

अष्टधातु रॉड

अष्टधातु रॉड मात्र 421 रुपए में उपलब्ध संपर्क करें: सुश्री रश्मि गुप्त—9711108050

मार्बल/गत्ता/थर्माकोल की आकृति का बना गुम्बद और
उस पर लगी पीतल की बुर्जी के लिये सम्पर्क करें:
श्री रोहित गुप्त (09899499848), सुश्री रश्मि गुप्त (मो०09873345859)
श्री रचित गुप्त (मो०8373919337), सुश्री अलका गोयल (मो०0112323711)

गुम्बद

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 4 अक्टूबर एवं 1 नवम्बर 2014

स्थान : मामाजी बी-2, बहादुर अपार्टमन्ट, सिविल लाईन्स, नई दिल्ली

समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक

संपर्क : श्री कल्कि बाल वाटिका:- (मामाजी)

बन पड़े तो सही आइ. सी. यू. उपचार एवं अनुभव का अर्थ जानने के लिए अपने अनुभव लिखकर डुप्लीकेट अथवा फोटो कॉपी कराकर लाएं

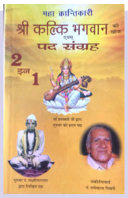

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 18 अक्टूबर एवं 15 नवम्बर 2014

स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट पटपड़गंज दिल्ली-92

समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक

संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)

संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (9136377829)

NBT नवभारत टाइम्स

यमुना तट पर सुप्त तीर्थ जागरण हेतु चलता फिरता श्री कल्कि जयंती महोत्सव

5 अक्टूबर एवं 9 नवम्बर रविवार 2014 को

यमुना बनेगी साबरमती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुना नदी को गुजरात की साबरमती बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। गंगा की तरह यमुना की सफाई के लिए भी केन्द्र सरकार ने 25 करोड़ का बजट पास किया है।

असंभव को संभव करने वाला श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ 5 अक्टूबर एवं 9 नवम्बर 2014 को इन्द्रपस्थ यमुना तट पर दो कुण्डीय यज्ञ संकीर्तन, सत्संग प्रातः 5 बजे से 8 बजे तक लघु भंडारे के रूप में होगा।

* यमुना महारानी को मर्दाना व जनाना वस्त्र, सीधा, पानी, धूप, मौली के लिये सम्पर्क करें-
श्री राजेश जी-8860666461

स्थान: सागर में नैया डगमग डोले को सहारा देने वाली यमराज की बहन यमुना महारानी के घाट नo 23 पर आपके द्वारा किया जाने वाला दो कुण्डीय श्री कल्कि सहस्त्रनाम-बगलामुखी यज्ञ-संकीर्तन-भण्डारे के फल के लिये अपने हिस्से का सहयोग (सामान अथवा नगद रूपया) यमुना तीर्थ-यज्ञ-भण्डारा आयोजन में नीचे लिखे तीन प्रभारियों में से किसी को भी एवं सम्भल गंगा तीर्थ के लिये सुश्री इंदु बंसल, श्री सुनील गुप्त (सुश्री सुषमा गोयल के भाई) अथवा मामाजी को दे सकते हैं। संभल तीर्थ की तरह यमुना तीर्थ महोत्सव में आने जाने पर समय की कोई पाबंदी नहीं है। पहली आरती हवन के बाद एवं दूसरी आरती कीर्तन के बाद होगी।

यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम - सत्संग - संकीर्तन प्रभारी

श्री अशोक-संजू गड़ोदिया- 9312539397

श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल- 9810654193

कु० अक्षय गड़ोदिया 9910006788

विशिष्ट जानकारी अथवा संतुष्ट न होने पर मामाजी 011-23973383

श्री कल्कि के मानने वालों की टेलीफोन डायरेक्टरी

प्रिय भक्तगण, भगवान श्री कल्कि की प्रेरणा से सुश्री रश्मि गनेरीवाल (09831273015) कोलकाता से प्रभु श्री कल्कि के मानने वालों की डायरेक्टरी सन् 2015 के लिए प्रकाशित कर रही हैं। जिसमें कल्कि जी के मानने वालों के मोबाइल नं., नाम, पता ईमेल आई डी प्रकाशित किए जाएंगे। कोलकाता में उनको सहयोग दे रही हैं सुश्री आकांक्षा चौधरी (09831072107) एवं दिल्ली में सहयोग कर रही हैं सुश्री मुक्ता शर्मा, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट (09811134378) एवं उनके असिस्टेंट गौरव शर्मा उर्फ **थोथा चना बाजे घना**। जिन भक्तों के नाम सन् 2015 की डायरेक्टरी में आने से रह जाएंगे उन्हें वह 2016 संकलन के लिए रिजर्व कर लेंगी।

भले ही हम बीज की तरह गल जाएं लेकिन हमारे बच्चे सैद्धांतिक रूप से चलते हुए चंद्रगुप्त की तरह चौतरफा प्रगति करते हुए श्री कल्कि को प्रगट करके रहेंगे

—मामाजी

प्रिय भक्तगण धर्म और संस्कार की जड़ें बहुत गहरी होती हैं। श्री हनुमान जी ठाकुर की कृपा से सन् 1988 से जिन बालक बालिकाओं द्वारा श्री कल्कि बाल वाटिका में संस्कार रोपण कराए गए वहीं रविवार 28 सितंबर 2014 को चांदनी चौक में संचालक संचालिकाओं के रूप में श्री कल्कि सहस्त्रनामावली यज्ञ के बाद उन्होंने खुली सत्संग गोष्ठी में विचारों का जो आदान प्रदान किया उसकी खुशियों से गदगद करने वाली लेखनी अवर्णनीय है।

पटपड़गंज से सुश्री रमणी अग्रवाल ने महान नीतिकार, राजनीतिज्ञ व महान अर्थशास्त्री चाणक्य की भाषा में बताया कि वह अच्छे कुल के बच्चों में भगवान श्री कल्कि की भक्ति के संस्कारों के साथ समाज में बने रहने के लिए दृढ़ विश्वास वाले अनुशासित सिद्धांत रोपण कर रही हैं।

नोएडा बाल वाटिका की संचालिका सुश्री मुक्ता शर्मा (एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट) ने दो और बाल वाटिकाओं की नोएडा सैक्टर-18 रैडिसन होटल के सामने शिव मंदिर एवं सम्भल में चामुंडा मंदिर, हल्लू सराय में ऑडियो-वीडियों के द्वारा सैद्धांतिक बाल वाटिकाएं बच्चों के आई कार्ड बनाकर शुरू की हैं। उन्होंने अन्य संचालक संचालिकाओं का आवाहन किया कि वह भी बाल वाटिकाओं में इस प्रकार सिखाएं कि बच्चे खेल-खेल में हस्त कला में निपुण हों। भविष्य में वह कल्कि जी के सहारे होकर स्वंयं पर निर्भर होकर समाज को आगे बढ़ाएं।

सुश्री निशी गर्ग, रोहिणी ने बताया कि काम हम कर रहे हैं लेकिन सारी प्लानिंग भगवान श्री कल्कि स्वप्नानुभवों द्वारा करवा रहे हैं।

सुश्री मेघना गोयल ने सुलझे हुए दिमाग से उलझी हुई समस्याओं का निवारण सुश्री अलका सिंघल के अनुभवों के अर्थ, उपचार व प्रार्थनाएं बताकर श्री कल्कि अवतार की सार्थकता बताई।

सम्भल की बाल वाटिका 21 तारीख को- ऑडियो-विडियो द्वारा सम्भल में हुई

श्री कल्कि बाल वाटिका की आज दूसरी मीटिंग थी। इस बार जिन बच्चों का पिछली बार रजिस्ट्रेशन किया था उससे भी काफी अधिक बच्चे आए जो कि पहले बैच से भी अधिक होशियार थे। पहले वाले बच्चों को आई कार्ड इशु किये गए। बाल वाटिका के आरम्भ में सुश्री मुक्ता शर्मा (सुप्रीम कोर्ट वकील) संचालिका श्री कल्कि बाल वाटिका नोएडा-सम्भल द्वारा लिखित एवं मुद्रित नित्य पूजा पुस्तक का श्री काजल वार्ष्णेय (क्रिमिनल एडवोकेट) संचालक श्री कल्कि बाल वाटिका सम्भल द्वारा विमोचन हुआ जिसका ताली बजाकर सहर्ष ध्वनि के साथ सभी बच्चों ने स्वागत किया।

भगवान श्री कल्कि की आगामी लगने वाली मूर्तियाँ

* सी.पी.ब्लॉक पीतमपुरा, रथ वाला मंदिर * पी.यू.ब्लॉक पीतमपुरा, सदाशिव मंदिर * गऊशाला मयूर विहार, फेज-1 * पिंजरपोल गऊशाला * अंजना मां मंदिर *सालासर धाम * माँ भीमेश्वरी देवी, जझर, हरियाणा * महामृत्युंजय मंदिर, कांशी , * माता वाला मंदिर न्यू फ्रैंडस कॉलोनी, * मोहन मिकिन, मोहन नगर, गाजियाबाद, * परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश, * श्री माँ भद्रकाली मंदिर, देहरादून * जगन्नाथ मंदिर, कोलकाता, * श्री राम मंदिर करनाल * बनखण्डी महादेव, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने, माँ वैष्णो देवी, कटरा, जम्मू

भगवान विष्णु के मन्दिर निर्माण अथवा प्राण प्रतिष्ठा में जो भी सहयोग (तन, मन, धन से) देता है उसकी सात पीढ़ियों को कालान्तर में मोक्ष की प्राप्ति होती है —अग्नि पुराण

■ आप अपना सहयोग उपरोक्त सत्कार्यों में किसी एक मद में पूरा या हिस्से में देना चाहे तो आपके नाम से अथवा गुप्त सहर्ष स्वीकार कर के उसी मद में लगाया जाएगा ■ सहयोग के हिसाब से अनुमानित मदों को घटाया बढ़ाया जा सकता है

■ आपकी उपस्थिति हमारे लिए आपके सहयोग से भी ज्यादा अमूल्य है

■ आप अपना बहुमूल्य सहयोग नीचे लिखे किसी भी मूर्ति स्थापना प्रभारी को भेज/फोन पर बता सकते हैं

श्री मनोज पांडे	सुश्री अलका गोयल	सुश्री साक्षी गुप्त	सुश्री इंदू बंसल	सुश्री मेघना गोयल
09212703815	09811281271	09310833445	9818416191	09136377829

Registered with the Registrar of Newspaper for India under Licence No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL (DG)-11/8061/2012-2014

publication date 1-31 october | मूल्य 10 रूपए | posting date1-8october | अक्टूबर 2014 | weight-25 grams

कल्कि साहित्य समाप्ति के कगार पर

बन पड़े तो अपने शुभ के रुपयों में से सहयोग साहित्य प्रभारियों के पास भेजें

मेघना गोयल-916377829

पूजा गुप्ता-9811858723

सुषमा गोयल-9899698240

रेनू बंसल-9818000004

रश्मि गुप्ता-9711108050

मामाजी-9136377829

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

रूका हुआ रूपया/ज्वैलरी/प्लॉट/मकान/दुकान : आपका रूपया यदि कहीं रूक गया है अर्थात् नहीं मिलने की उम्मीद है तो जैसा भगवान ने स्वप्नानुभव में बताया है 1 प्रतिशत 2 प्रतिशत या 5 प्रतिशत के हिसाब से रूपया आने पर कल्कि जी के कार्यों (प्रोजेक्टों) में लगाने का संकल्प लें।

1 प्रतिशत, 2 प्रतिशत एवं 5 प्रतिशत : अगर उम्मीद है कि आपका रूका हुआ रूपया मिल सकता है तो रूकी हुई राशि के 1 प्रतिशत का संकल्प लें, अगर उम्मीद कम है तो 2 प्रतिशत का संकल्प लें, और अगर बिल्कुल उम्मीद नहीं हो तो 5 प्रतिशत का संकल्प लें। जब रुपया आए कल्कि जी का रुपया दे देवें।

जैसे जैसे रूपया आता रहे वैसे कल्कि जी का रुपया दे देवें। उन्हें उधार पसंद नहीं है। किसी प्रापर्टी या मुकदमे के लिए आप 5 प्रतिशत का शेयर भगवान का बोल देंगे तो सब रूपया आना शुरू हो जाता है।

शादी में विघ्न या रूकावट होने पर कल्कि भगवान के उपचारों से 1 (प्रतिशत) कल्कि जी को देना है जितना रूपया आप शादी में लगा रहे हों।

शर्तें लागू—यह कल्कि जी के मानने व कार्य करने वालों पर लागू हैं जिन्हें स्वप्नानुभव आते हैं

कल्कि जी का सुरक्षा कवच

इसे काट कर लैमिनेशन कर घर के दरवाजे पर लगाने हेतु

कल्कि जी का भंडारा

मात्र 500 रुपए देकर अपने अथवा अपने परिवार पर आई विपदा के लिए कल्कि विष्णु मंदिर, कुंडे वालान में अपने हाथ से फूल माला चढ़ा कर आरती करके भगवान श्री कल्कि को भोग लगाकर शाम 7 बजे प्रति बुधवार भंडारा बांटे। संपर्क : श्री योगेश गुप्ता (9311033445)

कल्कि जी की अखंड जोत

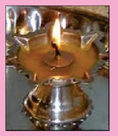

अपने घर व व्यापार की वैभवता के लिए श्री कल्कि विष्णु मंदिर में अखंड जोत में घी अथवा रुपए सामर्थ्य के अनुसार देने हेतु संपर्क करें : श्री राहुल अग्रवाल (9891879718)

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं : * चाँदनी चौक * दिल्ली विश्वविद्यालय * नोएडा * पंजाबी बाग * पटपड़गंज * गगन विहार * यमुना विहार * महावीर नगर * ग्रीन पार्क * रोहिणी * सब्जी मंडी, घंटाघर * सम्भल * कोलकाता * असरोही

श्री कल्कि बाल वाटिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें— 9312533445, 9136377829 0911858723

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी :

हर्षित गुप्ता (मनु-9999885277), अंकित गड़ौदिया (9968154304)

राहुल अग्रवाल (9891879718), अलका गोयल (9811281271)

आभार : श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद

स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित

व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

प्रिंटर्स : शिवानी ऑफसेट, ए-36 नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.)

पारस प्रिंटिंग प्रेस, पटपड़गंज, नई दिल्ली